हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम की इस हुक्म की तामील में जारी हुए
2/11/2010 को अंतरिम स्थगन आदेश जारी हो रखा है। पत्रावली पर बहस हेतु उभयपक्षकारान आवश्यक रूप से दिनांक 3/3/25 को पेश हो।	
3/3/25 पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्षकारान उपस्थित। बहस पक्षकारान सुनी गई पत्रावली वास्ते निर्णय दिनांक 26.03.25 को पेश हो।	
26/3/25 उभय पक्ष के अभिभाषकगण उपस्थित. P.O. महोदय अवकाश / भ्रमण / अन्य कार्यों में व्यस्त है! मिसल दिनांक 2/4/2025 को पेश हो ✓	
2/4/25 पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित। पत्रावली पर बहस पूर्व पेशी पर सुनी जा चुकी है। पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन कर मनन किया गया। पत्रावली में दिनांक 2/11/2010 से अस्थाई निषेधाज्ञा का आदेश जारी हो रखा है। पत्रावली के संबंधित मूल वाद ... [illegible] जिसके तनकीहात निर्मित ... [illegible] प्रकरण की परिस्थितियों को देखते हुए एवं प्रकरण 10 वर्षों से अधिक समय से लंबित है,	

Signature Not Verified
Digitally signed by Divya
Date: 2025.04.25 12:22:51 IST
Reason: SelfAttested

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
	को दृष्टिगत रखते हुए पत्रावली पर पारित आदेश 2/11/2010 को पत्रावली से संबंधित मूल वाद के निस्तारण तक अस्थाई निषेधाज्ञा आदेश को निरन्तर स्थाई कर आवेदिका को पाबंध किया जाता है कि वे मूल वाद के निस्तारण तक विवादित कृषि भूमि ख० नं. 122/96/3 तादादी 54-168 बीघा रोही उदय भैरूपुरा तहसील सरदारशहर के पूर्वी सींव को खुर्द-बुर्द नहीं करें और प्रार्थना पत्र में वर्णित कृषि भूमि की मौका की यथास्थिति मूल वाद के निस्तारण तक बनाये रखें। निर्णय आज दिनांक 2/4/25 को लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर मूल वाद के साथ संलग्न रहे। पत्रावली दाखिल दफ्तर हो।
	Divya

Signature Not Verified

Digitally signed by Divya
Date: 2025.04.25 12:22:51 IST
Reason: SelfAttested